आई सी ए आर - भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

प्रमुख सलाह (जनवरी 16-30, 2024)

भारत के सभी क्षेत्रों में गेहूं की बुआई और अन्य पद्धतियाँ

फसल मौसम 2023-24

आगामी दिनों में वर्षा और तापमान पूर्वानुमान के संबंध में गेहूं शोधकर्ताओं और आईएमडी से मिले इनपुट के आधार पर, विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के लिए निम्नलिखित सलाह जारी की जाती हैं:

उर्वरक की खुराक

नाइट्रोजन की खुराक का प्रयोग बुआई के 40-45 दिन बाद तक पूरा कर लेना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए सिंचाई से ठीक पहले यूरिया डालें।

देर से बोई गई फसल के लिए खरपतवार प्रबंधन (शाकनाशी स्प्रे)

यदि गेहूं के खेत में संकरी और चौड़ी पत्ती वाले दोनों तरह के खरपतवार हों तो पहली सिंचाई से पहले या सिंचाई के 10-15 दिन बाद 120-150 लीटर पानी में सल्फोसल्फ्यूरॉन 75 डब्ल्यूजी 13.5 ग्राम/एकड़ या सल्फोसल्फ्यूरॉन+मेटसल्फ्यूरॉन 16 ग्राम/एकड़ की दर से 120-150 लीटर पानी में प्रयोग करें।

पीला रतुआ के लिए सलाह

रतुआ के लिए अनुकूल आर्द्र मौसम को ध्यान में रखते हुए , किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धारीदार रतुआ (पीला रतुआ) की घटनाओं को देखने के लिए नियमित रूप से अपनी फसल का निरीक्षण करें। यदि किसान अपने गेहूं के खेतों में पीला रतुआ देखते हैं, और इसकी पुष्टि करते हैं, तो निम्नलिखित उपाय सुझाए जाते हैं:

- इसके आगे प्रसार को रोकने के लिए संक्रमण क्षेत्र पर प्रोपीकोनाज़ोल 25 ईसी @ 0.1 प्रतिशत या टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी @ 0.06% का एक स्प्रे दिया जाना चाहिए।
- एक लीटर पानी में एक मिलीलीटर रसायन मिलाना चाहिए और इस प्रकार एक एकड़ गेहूं की फसल में 200 मिलीलीटर कवकनाशी को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।
- जिन किसानों ने पिछले वर्ष एक प्रकार के कवकनाशी का उपयोग किया है , उन्हें इस वर्ष वैकल्पिक अनुशंसित कवकनाशी का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। मौसम साफ होने पर किसानों को फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

अगेती बोई गई गेहूं की फसल में लोजिंग नियंत्रण हेतु सलाह

उच्च उर्वरता वाली सिंचित परिस्थितियों में अगेती बोई गई गेहूं की फसल में लोजिंग (फसल का गिरना) के नियंत्रण के लिए विकास नियामकों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रोथ रेगुलेटर क्लोरमेक्वाट क्लोराइड (सीसीसी) @0.2% +टेबुकोनाज़ोल 250 ईसी @ 0.1% वाणिज्यिक उत्पाद खुराक के टैंक मिश्रण के रूप में दो स्प्रे पहले नोड (बुवाई के 50-50 दिन बाद) और ध्वज पत्ती (बुआई के 75-85 दिन बाद) पर करें। जिन किसानों ने अगेती बुआई वाले गेहूं पर पहला छिड़काव नहीं किया है वे बुआई के 70-80 दिन बाद केवल एक ही छिड़काव कर सकते हैं।

पाला प्रबंधन के लिए आईएमडी के पूर्वानुमान का ध्यान रखते हुए गेहूं की फसल में हल्की सिंचाई की सलाह दी जाती है।

गुलाबी बेधक के लिए सलाह

गुलाबी छेदक का हमला उन क्षेत्रों में देखा गया है जहां विशेष रूप से धान , मक्का, कपास, गन्ना उगाया जाता है। गेहूं की फसल को मुख्यतः इल्लियों द्वारा क्षति होती है। कैटरपिलर तने में प्रवेश करता है और ऊतकों को खाता है। इससे फसल की प्रारंभिक अवस्था में तने में डेड हार्ट बन जाते हैं। प्रभावित पौधे पीले पड़ जाते हैं और आसानी से उखाड़े जा सकते हैं। जब पौधों को उखाड़ा जाता है तो उनकी निचली शिराओं पर गुलाबी रंग की इल्लियाँ देखी जा सकती हैं।

कीट प्रबंधन

- संक्रमित कल्लों को हाथ से चुनने और उन्हें नष्ट करने से छेदक का हमला कम हो जाता है।
- संक्रमण से बचने के लिए, नाइट्रोजन उर्वरकों को विभाजित खुराकों में उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
- यदि प्रकोप अधिक हो तो 1000 मिलीलीटर क्विनालफॉस 25%इसी को 500 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर मिलाकर छिड़काव करें।

16-30 जनवरी, 2024 के दौरान मौसम की स्थिति

भारत के उत्तर-पूर्व और मध्य इलाकों में बारिश का अनुमान है। आईएमडी से प्राप्त पूर्वानुमान के मुताबिक , आने वाले सप्ताह में तापमान सामान्य से नीचे जाने की उम्मीद है।

(ज्ञानेन्द्र सिंह)

निदेशक